वि. वि. म.

रामकृष्ण महादेव साळगांवकर उच्च माध्य. विद्यालय

कोंब मडगांव गोवा

Preliminary Exam 2024

कक्षा : १२ वी | विषय : हिन्दी | समय : ३ घंटे

दिनांक:१७ /१२ /२०२४ | अंक: ८०

सामान्य निर्देश :

१. कुल प्रश्न ४२ है।

२. सभी प्रश्न अनिवार्य है।

३. दायी ओर दर्शायी हुई संख्या प्रश्न के अंक दर्शाती है।

खंड - क (कुल अंक १५)

निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

जिदगी मुसीबत मे पलकर दुनिया पर कब्जा करती है। अकबर ने १३ साल की उम्र में अपने पिता के दुश्मन को परास्त कर दिया था। जिसका एकमात्र कारण यह था कि अकबर का जन्म रेगिस्तान में हुआ था और वह भी उस समय जब उसके पिता के पास एक कस्तूरी को छोडकर और कोई दौलत नही थी। महाभारत मे देश के प्रायः अधिकांश वीर कौरवों के पक्ष में थे मगर फिर भी जीत पांडवों की हुई क्योकि उन्होंने मुसीबत झेली थी , वनवास के जोखिम को पार किया था। विस्टन चर्चिल ने कहा है कि जिंदगी की सबसे बडी सिफत हिम्मत है। आदमी के सारे गुण उसकेहिम्मती होने से पैदा होते है। जिदगी की दो ही सूरतें हैं। एक तो आदमी बडे से बडे मकसद के लिए कोशिश करे ,जगमगाती हुई जीत पर पंजा डालने के लिए हाथ बढाए और अगर असफलताएं कदम कदम पर जोश की रोशनी के साथ जाल बुन रही हो ,तब भी वह पांव पीछे नह हटाए दूसरी सूरत यह है कि उन गरीब आत्माओं का हमजोली बन जाए जो न तो बहुत अधिक सुख पाती है और न बहुत अधिक दुख पाने का संयोग रखती है क्योकि वे आत्माएं ऐसी गोधूलि में बसती है जहाँ न तो जीत हँसती है और ना कभी हार के रोने की आवाज सुनाई देती हे। कौन कहता है की पूरी जिंदगी को दाँव पर लगा देने मे कोई आनंद नही, अगर रास्ता आगे ही निकल रहा हो तो फिर असली मजा तो पाव बढाने , बढते जाने मे ही है। साहस की जिदगी सबसे बडी जिंदगी होती है। ऐसी जिदगी की सबसे बडी पहचान यह है कि वह बिल्कुल निडर बिल्कुल बेखौफ होती हैं। साहसी मनुष्य की पहली पहचान यह है कि वह इस बात की चिंता नही करता है कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोच रहे है।

१ अकबर अपने पिता के दुश्मन को कैसे हरा पाया ? १

२. ' साल ' शब्द का विशेषण रूप लिखिए। १

३. उक्त गद्यांश मे 'मरुस्थल ' शब्द के लिए कौनसा समानार्थी शब्द आया है ? १

४. 'मनुष्य ' शब्द की भाववाचक संज्ञा लिखिए। १

५. 'निडर ' शब्द का विलोम शब्द लिखिए। १

६. ' हार ' शब्द का रुप उपसर्ग लगाकर बद लिए। १

७. जिंदगी का असली मजा किसमे है ? २

८. साहसी मनुष्य की पहली पहचान क्या है ? २

निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर पूछे गये प्रश्नो के उत्तर लिखिए।

मेरा ईश्वर
व्याप्त है खेतों में
धैर्यशील मिट्टी की तरह
खुले आकाश के नीचे
झिलमिलाते हुए
उसके माथे की बिंदियाँ रूप में।
मेरा ईश्वर
बडा होता रहता है
प्रतिदिन स्नान करते हुए
माडवी के तीर्थ पर
दिशाओ जैसी बाँहों को लहराते हुए
दीन दुखियो को सभालते हुए।

९. ईश्वर खेतों में किस रूप मे विद्यमान है ? १
१०. खुले आकाश के नीचे ईश्वर किस तरह झलमिला रहा है ? १
११. कवि का ईश्वर किन्हे संभालता है ? १
१२. दिशाओं जैसी बाँहो को लहराते हुए से क्या तात्पर्य है ? १
१३. कवि का ईश्वर हर रोज कहाँ स्नान करता है ? १

खंड - ख (कुल अंक ४०)

निम्नलिखित पठित काव्यांश के आधार पर पुछे गये प्रश्नो के उत्तर लिखिए।

कागद पर लिखत न बनत, कहत सँदेसु लजात।
कहिहै सबु तेरौ हियौ मेरे हिय की बात ॥ ९॥

१४. कवि ने नायिका के चेहरे को किसकी उपमा दी है ? १
१५. राधाने कृष्ण की मुरली क्यों छिपाकर रखी थी ? १
१६. उक्त पक्तियाँ किसने लिखी है ? १
१७. नायिका अपनी विरह पीडा को कागज पर क्यों व्यक्त नही कर पाती है ? २

अथवा

श्याम तन, भर बँधा यौवन,
नत नयन, प्रिय कर्म रत मन
गुरू हथौडा हाथ,
करती बार बार प्रहार
सामने तरु मालिका अट्टालिका प्राकार।

१४. श्रमिक महीला कहाँ पर पत्थर तोडने का काम कर रही थी ? १
१५. उक्त पंक्तियाँ किसने लिखी है ? १
१६. 'सामने तरु मालिका अट्टालिका प्राकार' पक्ति का व्यंग्य स्पष्ट कीजिए। १
१७. कवि ने श्रमिक युवानारी के सौंदर्य का वर्णन कैसे किया है ? २

१८. निम्नलिखित काव्यांश का भाव सौन्दर्य स्पष्ट करते हुए शिल्प संबधी कोई दो विशेषताएँ लिखिए। (लगभग ५० शब्दो मे) ४

शायद कोई , शायद कोई
मुझे पहचाने , मुझे बुलाए .....
लेकिन मै देखता हूँ
कि आज के जमाने मे
आदमी से ज्यादा लोग
पोस्टरो को पहचानते है ,
वे आदमी से ज्यादा बडे सत्य है।

अथवा

एक खँडहर के हृदय सी,एक जंगली फूल सी ,
आदमी की पीर गूँगी ही सही गाती तो है।

निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर लिखिए। (लगभग ४० शब्दो मे) ६

१९. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए।

काया मजन क्या करै , कपड धोइम धोइ।
उजल हूवा न छूटिए , सुख नी दडी न सोइ ॥ ५॥

अथवा

ईस भजनु सारथी सुजाना। बिरति चर्म संतोष कृपाना ॥
दान परसु बुधि सक्ति प्रचंडा। बर बिग्यान कठिन कोदंडा ॥

२०. ' उदासी ' कविता का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

अथवा

२०. कवयित्री अपने बचपन को वापस क्यों बुला रही है ?

निम्नलिखित पठित गद्यांश के आधार पर पूछे गये प्रश्नो के उत्तर लिखिए।

(लगभग १० - २० शब्दो मे)

कौशल्या के भारी शरीर ने बिछावन पकड लिया था। वह आसानी से उठ बैठ भी नही पाती। इधर उसकी एक ही रट थी। कुछ लोग तो उसकी रट को अंतिम इच्छा ही समझने लगे थे। वह थी ,' रोमा के हाथ की चिट्ठी पढने की। ' माँ की हालत की जानकारी पाकर सीमा भी मायके आ गई थी। माँ के पास बैठी कभी कमर , कभी हाथ , कभी पीठ सहलाती रहती। पर वह तो मूल थी। कौशल्या को अपने सूद धन रोमा से अधिक लगाव था। राहुल अपने कंप्यूटर पर प्रति सुबह श्याम अपनी बुआ का ई-मेल भी चेक करता। रोमा दिन मे तीन बार ई-मेल करती। नानी को अपना हाल समाचार भेजती ,उनका पूछती। पर कौशल्या को यह बात समझ मे नही आती थी कि उस लोहे के बॉक्स मे चिट्ठी आती तो है , पर निकलती क्यो नही। चिट्ठी निकालकर भी पढी गई। पर वह तो अंग्रेजी मे थी। वे अक्षर कौशल्या को न गुदगुदाए , न रुलाए , न हँसाए और न चिंतित किए। कौशल्या को संतोष नही हुआ।

२१. कौशल्या कौनसी रट लगाए बैठी थी ? १
२२. कौशल्या को कौनसी बात समझ नही आती थी ? १

२३. सीमा व्दारा भेजी गई चिट्ठी के अक्षर क्यों पसर गये थे ? १

२४. ई-मेल व्दारा भेजी गई चिट्ठी पढकर कौशल्या को संतोष क्यों नही हुआ ? २

निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर लिखिए। (लगभग ८० शब्दो मे) १०

२५. " वंशीधर एक ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठ दारोगा था " इस कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

२५. ' लोहिया का स्वभाव एवं स्मरणशक्ति अद्‌भुत थी' यह लेखन ने कौनसे उदाहरण व्दारा समझाया है ?

२६. अपने ही घर मे गजाधरबाबू को परायेपन का अहसास कब और क्यों हुआ ?

अथवा

२६. 'धमकी भरा आश्वासन और आश्वासन भरी धमकियाँ' इससे लेखिका का क्या मतलब है ?

निम्नलिखित पठित गद्यांश (वितान) के आधार पर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

कबा गाधी मेरे पिताजी थे। पोरबंदर की दीवानगीरी छोडने के बाद वे राजस्थानिक कोर्ट के सदस्य थे। बाद मे राजकोट मे और कुछ समय के लिए बाकानेर मे दीवान थे। मृत्यु के समय वे राजकोट दरबार के पेशनर थे। कबा गाधी के भी चार विवाह हुए थे। पहले दो से दो कन्याएँ थीं, अतिम पत्नी पुतलीबाई से एक कन्या और तीन पुत्र थे। उनमें अंतिम मै हूँ। पिताजी की शिक्षा केवल अनुभव की थी। आजकल जिसे हम गुजराती की पाँचवी किताब का ज्ञान कहते है, उतनी शिक्षा उन्हे मिली होगी। उनका व्यावहारिक ज्ञान इतने ऊँचे दर्जे का था कि बारीकसे बारीक सवालो को सुलझाने मे अथवा हजार आदमियो से काम लेने मे भी उन्हे कोई कठिनाई नही होती थी। माता व्यवहार कुशल थी। राज दरबार की सब बातें वे जानती थी। रनिवास मे उनकी बुध्दि की अच्छी कदर होती थी। मै बालक था। कभी कभी माताजी मुझे भी अपने साथ दरबार गढ ले जाती थी। 'बा माँसाहब' के साथ होने वाली बातों मे से कुछ मुझे अभी तक याद है।

२७) ' मेरा जन्म और बचपन ' यह रचना हिन्दी साहित्य की किस विधा मे लिखी हुई है ? १

२८) गाधीजी के दादा से लेकर पिछली तीन पीढ़ियाँ क्या काम करती रही ? १

२९) करमचद गाधी ने किन तीन दरबारो मे दीवानगिरी का काम किया ? १

३०) गाधीजी के पिताजी पोरबदर से राजस्थानिक कोर्ट के सदस्य बनकर कहाँ गये थे ? १

३१) करमचद गाधी के व्यावहारिक ज्ञान को ऊँचे दर्जे का क्यों कहा गया है ? २

३२ गाधीजी की माँ पुतलीबाई किस तरह की महिला थी ? २

३३) गाधीजी का जन्म कब और कहाँ हुआ था ? २

खंड - ग (कुल अंक २५)

निम्नलिखित माध्यम और लेखन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। ५

३४. सपादन से क्या तात्पर्य है ?

३५ मानव जीवन मे संचार का क्या योगदान है ?

३६. भारत मे पहली मूक फिल्म बनाने का श्रेय किसे जाता है ?

अथवा

३६. साप्ताहिक पत्र ' उदंत मार्तड ' के संपादक कौन थे ?

३७.सपादकीय विभाग का क्या कार्य है ?

अथवा

३७. पत्रकारिता किसे कहते है ?

३८.प्रिंट माध्यमो की कोई दो विशेषताएँ बताइए।

३९. निम्नलिखित किसी एक विषय पर फीचर तैयार कीजिए। (लगभग १०० शब्दों में) ५

बिना प्यास केभी पीए पानी

अथवा

वृक्षारोपण का महत्व

४०. निम्नलिखित किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए। (लगभग १०० शब्दों में) ५

विज्ञापन की बढती लोकप्रियता

अथवा

आलस्य मनुष्य का सबसे बडा शत्रु

४१. विद्या उच्च माध्यमिक विद्यालय द्वारा मनाए गए ' गांधी जयंती समारोह ' पर (लगभग १०० शब्दों में) प्रतिवेदन (रिपोर्ट) तैयार कीजिए। ५

४२. निशांत / निलम सराफ, बेगूसराय ,पटना , बिहार से सडक दुर्घटनाओं को रोकने का सुझाव देते हुए निर्देशक , कदंब परिवहन निगम . पटना , बिहार को पत्र लिखता / लिखती है। ५

अथवा

४२. हेमंत / हेमांगी दिक्षित ,मकान न० ५३६ , गांधीनगर , नई दिल्ली से नीचे दिए गये नवभारत टाइम्स के विज्ञापन (Advertisement) के आधार पर आवेदन पत्र तैयार करता / करती है।

आवश्यकता है
हिन्दी शिक्षक
शैक्षणिक योग्यता - बीए उत्तीर्ण
बी . एड
संगणक का ज्ञान आवश्यक
अनुभव - कम से कम एक साल
आदि पूरी जानकारी के साथ आवेदन करे।
संपर्क
मुख्याध्यापक
विद्या माध्यमिक विद्यालय
नई दिल्ली।

****